Cadaver Organ Donor

Lt. Keshubhai Meghjibhai Mangukiya

He Donated: Kidneys, Liver & Eyes

Date:- 28/04/2018

DONATE LIFE™
an initiative for organ donation

Brain-dead diamond unit owner gives new lease of life to five people

Times News Network

Keshubhai Mangukia (inset) had developed brain haemorrhage

Surat: Organs of a brain dead diamond unit owner have given a new lease of life to five people here on Thursday.

Keshubhai Mangukia (63), a resident of Varachha, had complained of pain in his heart and was admitted to Mahavir Hospital on April 25. Mangukia underwent angioplasty and his right side of the body got paralysed. The CT scan revealed that Mangukia had developed blood clots in the brain.

As his health deteriorated, Mangukia was kept on ventilator and then shifted to Kokilaben Dhirubhai Ambani Hospital in Mumbai. The CT scan report suggested that he had developed brain haemorrhage and was shifted back to Mahavir Hospital in Surat on April 27, where doctors declared him brain dead. Uro Foods chairman Manhar Saparia contacted volunteers of Donate Life, who convinced Mangukia's wife and other family members on organ donation.

A team of doctors from the Institute Of Kidney Diseases And Research Centre (IKDRC), Ahmedabad, headed by Dr Jamal Rizvi arrived at Mahavir Hospital and collected the donation of liver and kidneys. The donation of corneas was donated to Lokdrashti Eye Bank in the city for eye transplantation in two blind persons.

The kidneys were transplanted in the bodies of Keshavkumar Chaudhari (40) and Jayantilal Rana (61) and liver recipient was Paresh Trivedi (45). All three are residents of Ahmedabad.

Until now, DonateLife has received donations of 240 kidneys, 101 livers, six pancreas, 16 heart and 212 corneas.

मांगुकिया परिवार ने ब्रेनडेड केशुभाई के अंगों का दान किया

लोकतेज संवाददाता

सूरत: वराछा रोड पंचदेव सोसायटी के निवासी और सौराष्ट्र जल संचय योजना में सक्रिय रहे 63 वर्षीय केशुभाई मांगुकिया को चिकित्सकों ने ब्रेनडेड घोषित किया। जिसके परिवारजनों ने उनके अंगों का दान किया।

इस तरह अन्य पांच लोगों को नयी जिंदगी मिली। डोनेट लाइफ संस्था के संस्थापक निलेश मांडलेवाला से मिली जानकारी के अनुसार केशुभाई मांगुकिया को दस-बारह दिनों से छाती में दर्द होने से 25 अप्रैल को महावीर अस्पताल में भर्ती किया गया। कार्डियोलॉजिस्ट डॉ.अतुल अभ्यंकर ने एन्जीयोप्लास्टी की। उसके बाद लकवे का असर होने से सिटी स्केन किया गया जिसमें दिमाग में खून जमने से खून का थक्का जम गया था। अधिक जांच में केशुभाई का ब्रेन हेमरेज होना पाया गया। 27 अप्रैल को चिकित्सकों ने केशुभाई को ब्रेनडेड घोषित किया। यूरो फूड्स के चेयरमैन मनहर सापरिया सामाजिक कार्यों से जुड़े हैं। मनोहरभाई के पुत्र केशुभाई ब्रेनडेड घोषित होने पर उन्होंने डोनेट लाइफ संस्था के निलेश मांडलेवाला और महावीर अस्पताल के चिकित्सकों ने केशुभाई के परिवार को अंगदान के लिए समझाया। मांगुकिया परिवार द्वारा ब्रेनडेड केशुभाई के अंगों का दान देने पर अन्य पांच परिवारों को नयी जिंदगी मिली। डोनेट लाइफ संस्था के माध्यम से दक्षिण गुजरात से 240 किडनी, 101 लीवर, 6 पैन्क्रियास, 17 हृदय, 212 चक्षुओं का जरूरतमंदों को दान करने से अब तक 552 व्यक्तियों में अंगप्रत्यारोपण होने से उन्हें सफलतापूर्वक नयी जिंदगी मिली

दुनिया से जाते-जाते रोशन कर दीं तीन जिंदगियां

सूरत. वराछा क्षेत्र के एक हीरा व्यवसायी को ब्रेन डेड घोषित करने के बाद परिजनों ने अंगदान का फैसला लिया, जिससे तीन लोगों को नई जिंदगी और दो को

रोशनी मिली। डोनेट लाइफ के प्रमुख नीलेश मांडलेवाला ने बताया कि वराछा की पंचदेव सोसायटी निवासी हीरा व्यवसायी केशुभाई मेघजी मांगुकिया (63) को सीने में दर्द की शिकायत पर सूरत के निजी अस्पताल में भर्ती किया गया था। वहां से उसे मुंबई ले जाया गया। सीटी स्कैन में ब्रेन हेमरेज का पता चलने के बाद परिजन उसे दोबारा सूरत के निजी अस्पताल ले आए। वहां शुक्रवार को चिकित्सकों ने उसे ब्रेन डेड घोषित कर दिया। उसकी पत्नी शारदा, पुत्र विजय और पुत्री वर्षा को अंगदान का महत्व समझाने पर वह अंगदान के लिए तैयार हो गए। अहमदाबाद किडनी इंस्टीट्यूट के चिकित्सक सूरत पहुंचे और किडनी तथा लीवर का दान स्वीकारा। लोकदृष्टि चक्षु बैंक के डॉ. प्रफुल्ल शिरोया ने चक्षु दान स्वीकार किया। दो में से एक किडनी अहमदाबाद निवासी कैलाशकुमार हरेशकुमार चंदनानी और दूसरी वडोदरा निवासी जयंतीलाल कालाभाई राणा, जबकि लीवर वडोदरा निवासी परेश हसमुख त्रिवेदी में ट्रांसप्लांट किया गया।

વરાછાના લેઉવા પટેલ સમાજના બ્રેનડેડ વૃદ્ધનાં ઓર્ગનનું દાન કરાયું

વૃદ્ધનાં કિડની, લીવર અને ચક્ષુઓનું દાન કરી તેમના પરિવારે પાંચ વ્યક્તિઓને નવજીવન આપ્યું

ક્રાઈમ રિપોર્ટર : સુરત

લેઉવા પટેલ સમાજના અને વરાછામાં રહેતા બ્રેનડેડ જાહેર કરાયેલા વૃદ્ધના ઓર્ગનદાનથી પાંચ વ્યક્તિઓને નવજીવન મળ્યું છે.

વરાછાની પંચદેવ સોસાયટીમાં રહેતા કેશુ મેઘજીભાઈ માંગુકિયાને છેલ્લા દસ બાર દિવસથી છાતીમાં દુખાવાની ફરિયાદ હતી. તેમને ગત બુધવારે ખાનગી હોસ્પિટલમાં દાખલ કરાયા હતા. કેશુભાઈને શરીરના જમણા ભાગમાં લકવાની અસર થતાં મગજનું સીટી સ્કેન કરાવતાં મગજમાં સોજો અને લોહીનો ગઠ્ઠો જામી ગયો હોવાનું નિદાન થયું હતું. વધુ સારવાર માટે પરિવારજનોએ તેમને મુંબઈ [illegible] હોસ્પિટલમાં શિફ્ટ કર્યા હતા. ડોક્ટરોએ એન્જિયોગ્રાફી સાથે સીટી સ્કેન કરાવતાં બ્રેન હેમરેજ હોવાનું બહાર આવ્યું હતું. જેથી ડોનેટ લાઇફની ટીમે કેશુભાઈના પરિવારને ઓર્ગન ડોનેશનની જાણકારી આપી મહત્વ સમજાવ્યું હતું. દાનમાં મેળવવામાં આવેલી કિડની પૈકી એક કિડની અમદાવાદના રહેવાસી કૈલાશકુમાર હરેશકુમાર ચંદનાની અને બીજી કિડની વડોદરાના રહેવાસી જયંતીલાલ કાળાભાઈ રાણાને, જ્યારે લીવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ વડોદરાના રહેવાસી પરેશ હસમુખભાઈ ત્રિવેદીમાં કરાયું છે.

૫૮૭ વ્યક્તિઓને મળ્યું નવજીવન

સુરત અને દક્ષિણ ગુજરાતમાંથી અત્યાર સુધી બ્રેનડેડ વ્યક્તિઓના પરિવારજનોએ ઓર્ગન દાનનું મહત્વ સમજીને ડોનેટ લાઈફ દ્વારા ૨૪૮ કિડની, ૧૦૧ લીવર, ૬ સ્વાદુપિંડ, ૧૬ હૃદય અને ૨૧૬ ચક્ષુઓના દાન મેળવીને ૫૮૭ વ્યક્તિઓને નવું જીવન અને નવી રોશની બક્ષવામાં સફળતા મળી છે.

Surat diamond unit owner dies, gives new life to 5 others

63-year-old Keshu Mangukia died on Saturday

DNA Correspondent
correspondent@dnaindia.net

In death, a diamond unit owner from Surat who was declared brain-dead after suffering from a brain haemorrhage, gave life to five other persons after his family donated his organs.

63-year-old Keshu Mangukia, a resident of Varachha Road in Surat, was admitted to a hospital in Surat on Wednesday after experiencing chest pain for the past 10-12 days. Tests revealed some swelling and blood clotting in the brain. He was placed on the ventilator after his condition deteriorated.

Mangukia was shifted to a hospital in Mumbai, where further tests revealed that he had suffered from a brain haemorrhage. He was brought back to a hospital in Surat, where he was declared brain-dead by doctors on Friday.

The diamond unit owner's family members agreed to donate his organs after members of Donate Life, an organisation that works for organ donation, spoke with them and convinced them to do so.

Donate Life said that Mangukia's kidneys and liver were accepted by Institute of Kidney Diseases and Research Centre (IKDRC), and his eyes by Surat-based Chakshu Bank.

WHAT HAPPENED

63 year old Keshu Mangukia, a resident of Varachha Road in Surat, was admitted to a hospital in Surat on Wednesday after experiencing chest pain for the past 10-12 days. Tests revealed some swelling and blood clotting in the brain. He was placed on the ventilator after his condition deteriorated.

The organisation said that one of Mangukia's kidneys was transplanted to Ahmedabad resident Keshavkumar Chandnani, 43, and the other to 64-year-old Jayantilal Rana of Vadodara. His liver was transplanted to Vadodara resident Paresh Trivedi, 46.

"It was a very good deed by Keshubhai Mangukia's family members to donate his organs. They said that he was engaged in water conservation programmes and other social activities, and would have wanted it," Donate Life's president Nilesh Mandlewala said.

Donate Life said that it has been involved in the donation of 249 kidneys, 104 livers, six pancreas, 17 hearts and 513 eyes, which have given a fresh lease of life to 502 people.

संदेश | निजी अस्पताल ने किया ब्रेनडेड घोषित

ब्रेनडेड केशू भाई के परिवार ने अंगदान से 5 को दिया जीवन

वराछा के केशूभाई के ब्रेनडेड होने पर उनके परिवार ने किया अंगदान।

प्रेस रिपोर्टर | सूरत

वराछा निवासी 63 वर्षीय केशू भाई मांगुकिया ब्रेनडेड होने पर परिवार ने पांच लोगों को उनकी किडनी, लीवर और नेत्रदान कर नया जीवन दिया। केशु भाई मांगुकिया के परिवार द्वारा किए गए अंगदान को अहमदाबाद की इंस्टीट्यूट ऑफ किडनी डिसीज एंड रिसर्च सेंटर (आईकेडीआरसी) ने स्वीकार किया, नेत्रदान सूरत की लोकदृष्टि चक्षुबैंक के डॉ. प्रफुल शिरोया ने स्वीकार किया। आईकेडीआरसी को मिली किडनी में से एक किडनी अहमदाबाद निवासी 43 वर्षीय केशव कुमार चंदानी को और दूसरी किडनी वडोदरा निवासी 64 वर्षीय जयंतिलाल राणा और लीवर का ट्रांसप्लांट वडोदरा निवासी 45 वर्षीय परेश त्रिवेदी में किया जाएगा। मिली जानकारी के मुताबिक वराछा निवासी 63 वर्षीय केशू भाई मेघजी भाई मांगुकिया को पिछले दस-बारह दिनों से सिर में दर्द की शिकायत थी। 25 अप्रैल को उन्हें शहर की एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया। सीटी स्कैन कराने पर उनके ब्रेन में सूजन और ब्लड क्लॉट होने का पता चला। केशू भाई की तबियत ज्यादा बिगड़ने पर उन्हें वेंटिलेटर पर रखा गया।

25 अप्रैल को उन्हें गंभीर स्थिति में मुंबई एक निजी अस्पताल ले जाया गया। वहां पर सीटी स्कैन किए जाने पर ब्रेन हेमरेज होने का पता चला। 27 अप्रैल को दोबारा उन्हें मुंबई में सूरत की एक निजी अस्पताल लाया गया, अस्पताल में न्यूरो चिकित्सकों डॉ. परेश [illegible] और डॉ. हरेश पारेख ने केशु भाई को ब्रेनडेड घोषित किया। केशू भाई के ब्रेनडेड होने की सूचना डोनेट लाइफ के नीलेश मांडलेवाला को दी गई। नीलेश मांडलेवाला द्वारा अंगदान का महत्व समझाए जाने पर केशू भाई के परिजनों ने किडनी, लीवर और नेत्रदान का निर्णय लिया।

अंगदान से अब तक 582 लोगों को मिल चुका है नया जीवन

नीलेश मांडलेवाला और डोनेट लाइफ के प्रयासों से अब तक सूरत और दक्षिण गुजरात से ब्रेनडेड लोगों को परिजनों की सहमति से 243 किडनी, [illegible] लीवर, 8 पैंक्रियास, 17 हार्ट और [illegible] नेत्र हासिल कर 582 लोगों को नया जीवन दिया गया।

સુરતમાંથી વધુ એક બ્રેઈનડેડ આધેડના અંગોનું દાન કરાયું : વધુ પાંચને નવજીવન

મૂળ ભાવનગરના વતની હીરા વ્યવસાયકાર કેશુભાઇના અંગોનું દાન કરાયું

સુરત : સતત ૧૨ દિવસથી છાતીમાં દુખાવાની ફરિયાદ કરનારા હીરા ઉદ્યોગકારને બ્રેઈનડેડ જાહેર કરતા પરિવાર દ્વારા તેઓના અંગોનું દાન કરવામાં આવ્યું હતું.

મૂળ ભાવનગરના ગારીયાધારના વતની અને હાલ વરાછા મેઈન રોડ પર પંચદેવ સોસાયટીમાં રહેતા ૬૩ વર્ષિય કેશુભાઈ મેઘજીભાઈ માંગુકિયા હાલ વરાછામાં હીરાના વ્યવસાય સાથે સંકળાયેલા હતા. તેઓ હીરાનું નાનું કારખાનું પણ ચલાવતા હતા. ઉપરાંત રીયલ એસ્ટેટ, ટેક્ષટાઈલના વ્યવસાય સાથે સંકળાયેલા હતા. તેઓ છેલ્લા ૧૦થી ૧૨ દિવસથી ઘરના સભ્યોને છાતીમાં દુખાવાની ફરિયાદ કરતા હતા. જેથી પરિવારના સભ્યો તેઓને ગત બુધવારના રોજ અઠવાગેટની ખાનગી હોસ્પિટલમાં લઈ આવ્યા હતા. જ્યાં તેઓની વધુ તબિયત બગડતા પરિવારજનો કેશુભાઈને મુંબઈ કોકિલાબેન ધીરુભાઈ અંબાણી હોસ્પિટલમાં લઈ ગયા હતા.

મુંબઈના તબીબોએ એન્જીયોગ્રાફી સાથે સીટી સ્કેન કરાવતા કેશુભાઈને બ્રેઈન હેમરેજ હોવાનું બહાર આવ્યું હતું. જેના કારણે પરિવારના સભ્યો કેશુભાઈને સુરત સારવાર અર્થે લઈ આવ્યા હતા. જ્યાં શુક્રવારે ન્યુરોફિઝિશ્યન ડૉ. પરેશ ઝાંઝમેરા અને ડૉ. હરેશ પારેખે કેશુભાઈને બ્રેઈનડેડ જાહેર કર્યા હતા. આ અંગે ડોનેટ લાઈફના પ્રમુખ નિલેશ માંડલેવાલાને જાણ કરતા તેઓ પણ પોતાની ટીમ સાથે હોસ્પિટલમાં પહોંચી ગયા હતા. જ્યાં પરિવારના સભ્યોને અંગદાન વિશે મહત્વ સમજાવતા પરિવાર દ્વારા કેશુભાઈની બે કિડની, એક લીવર અને બે ચક્ષુઓનું દાન કરવામાં આવ્યું હતું.

દાનમાં મેળવેલી બે કિડની પૈકીની એક કિડની અમદાવાદના રહેવાસી કેશવકુમાર હરેશકુમાર ચંદનીની (ઉ.વ. ૪૩) અને બીજી કિડની વડોદરાના રહેવાસી જયંતીલાલ કાભાભાઈ રાણા (ઉ.વ. ૬૪)માં જ્યારે લીવર વડોદરાના રહેવાસી પરેશ હસમુખલાલ ત્રિવેદી (ઉ.વ. ૪૫)માં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરવામાં આવ્યું હતું. જ્યારે બે ચક્ષુઓનું દાન લોકદ્રષ્ટિ ચક્ષુબેંકના ડૉ. પ્રફુલ શિરોયાએ સ્વીકાર્યું હતું.

દેશની જાણીતી કંપની યુરો ફૂડ્ઝના ચેરમેન

મનહરભાઇ સાસપરાની પ્રેરણાથી બ્રેઇનડેડ વૃદ્ધના અંગોનું દાન કરાયું

સ્વ. કેશુભાઇ માંગુકિયા એ મનહરભાઇના ફૂવા સસરા થતા હતા, પાંચ વ્યક્તિઓને નવજીવન મળ્યું

સુરત,તા.૨૮

[illegible]

વધુ, પાના ૭ પર

પાના ૮ નું શેષ

મનહરભાઇ

[illegible]

[illegible] Institute of Kidney Diseases and Research Centre (IKDRC) [illegible] Institute of Kidney Diseases and Research Centre (IKDRC) [illegible] Institute of Kidney Diseases and Research Centre (IKDRC) [illegible]

વરાછાના હીરાના વેપારી કેશુભાઈ માંગુકિયા પાંચને નવજીવન આપીને મૃત્યુ અમર કરી ગયા

સુરત, તા.૨૯ [illegible]

[illegible]

■ અનુસંધાન પાના ૫ પર

બ્રેઈનડેડ જાહેર કરાયેલા કેશુભાઈની કિડની, લિવર, ચક્ષુ વગેરેનું અન્ય દરદીઓને દાન કરીને તેમને નવજીવન આપતા ગયા

વરાછાના હીરાના વેપારી...

[illegible] ડોનેટ લાઇફના પ્રમુખ નિલેશ માંડલેવાલાનો સંપર્ક કર્યો હતો. જેમણે માંગુકીયા પરિવારના સભ્યો પૈકીના મૃતકના પત્ની શારદાબેન, પુત્ર વિજય સહિત પરિવારજનોને ઓર્ગન ડોનેશન અંગેની જાણકારી આપી હતી. જેના પગલે કિડની, લિવર અને ચક્ષુનું દાન કર્યુ હતુ.

ડોનેટ લાઇફ સંસ્થાએ અત્યાર સુધીમાં બ્રેનડેડ વ્યક્તિઓના પરિવારજનો સાથે સમજણ કેળવી નિલેશ માંડલેવાલા દ્વારા કુલ ૨૪૮ કિડની, ૧૦૬ લિવર, ૬ પેન્ક્રીઆસ, અને ૧૭ હૃદય ૨૧૨ ચક્ષુનું દાન મેળવીને ૫૮૨ વ્યક્તિઓને નવું જીવન અને આંખની રોશની આપીને સેવાનું ભગીરથ કાર્ય શરૂ રાખ્યું છે.

લેઉવા પટેલ સમાજના બ્રેઈનડેડ વૃદ્ધના અંગદાનથી પાંચ વ્યક્તિને નવજીવન

સુરત, તા. ૨૯

વરાછા વિસ્તારમાં આવેલી [illegible] સોસાયટીમાં રહેતા કેશુભાઈ મેઘજીભાઈ માંગુકિયા (ઉં.વ. ૬૭) ડાયમંડના વ્યવસાય સાથે સંકળાયેલા હતા. [illegible] દિવસથી તેમને છાતીમાં દુખાવો થઈ રહ્યો હતો. દરમિયાન ન્યૂરોફિઝિશિયન ડૉ. પરેશ ઝાંઝમેરા સહિતના તબીબોએ તેમને બ્રેઈનડેડ ઘોષિત કર્યા હતા.

ડોનેટ લાઈફના પ્રમુખ નિલેશ માંડલેવાલાએ જણાવ્યું હતું કે, કેશુભાઈના કેસ અંગે જાણ થતા તેમની ટીમ હોસ્પિટલમાં પહોંચી ગઈ હતી. પરિવારની સંમતિ બાદ અંગદાન કરવાનો નિર્ણય લેવાયો હતો. દાનમાં મળેલી બંને આંખો લોકદ્રષ્ટિ ચક્ષુબેંકના ડૉ. પ્રફુલ શિરોયાએ સ્વીકાર્યુ હતું. જ્યારે એક કિડની અમદાવાદના [illegible] (ઉં.વ. ૪૦) બીજી કિડની [illegible] (ઉં.વ. [illegible]) અને લિવર [illegible] (ઉં.વ. ૪[illegible])માં ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાઈ હતી.

લેઉવા પટેલ સમાજના વૃદ્ધના અંગદાનથી પાંચ વ્યક્તિને નવજીવન

(પ્રતિનિધિ દ્વારા) સુરત,શનિવાર

હીરાના ધંધા સાથે સંકળાયેલા વરાછાના લેઉવા પટેલ સમાજના બ્રેઈનડેડ જાહેર થયેલા વૃધ્ધના અંગદાનથી પાંચ વ્યક્તિને નવજીવન અને રોશની મળી છે.

વરાછા રહેતા ૬૩ વર્ષીય હીરાના ધંધાર્થી કેશુભાઈ માંગુકીયાને બ્રેઈનડેડ જાહેર કરાયા હતા

વરાછા રોડ પર શીરડીધામ સોસાયટી પાસે પંચદેવ સોસાયટીમાં રહેતા કેશુભાઈ મેઘજીભાઈ માંગુકીયા (ઉ.વ.૬૩) હીરાના વ્યવસાય સાથે સંકળાયેલા હતા. ૧૦ થી ૧૨ દિવસ અગાઉ છાતીમાં દુઃખાવા બાદ તા. ૨૫ મીએ અઠવાગેટની હોસ્પિટલમાં એન્જીયોપ્લાસ્ટી કરાઈ હતી. પણ રાત્રે શરીરના જમણા ભાગમાં લકવાની અસર જણાતા મગજનું સી.ટી.સ્કેન કરાતા સોજો અને લોહીનો ગઠ્ઠો જામી ગયાનું નિદાન થયું હતું. તબિયત વધુ બગડતા વેન્ટીલેટર પર રખાયા બાદ મુંબઈ લઈ જવાયા બાદમાં ફરી સુરત લવાયા હતા. જ્યાં ગઈકાલે તેમને બ્રેઈનડેડ જાહેર કરાયા હતા. આ અંગે ડોનેટ લાઈફ સંસ્થાને જાણ થતા મૃતકના પરિવારને અંગદાન માટે સંમત કર્યા હતા.

દાનમાં મળેલી એક કિડની અમદાવાદના કેશવકુમાર હરેશકુમાર ચંદનાની (ઉ.વ.૪૩) અને બીજી કિડની બરોડાના જયંતીલાલ કાબાભાઈ ગમા (ઉ.વ. ૬૪), જ્યારે બરોડાના પરેશ હસમુખભાઈ ત્રિવેદી (ઉ.વ.૪૩) માં લિવરનું ટ્રાન્સપ્લાન્ટ કરાયું છે.

DONATE LIFE

CADAVER ORGAN DONATION FIGURES

Date: january 2006 to 28th April 2018

249
KIDNEYS
101
LIVERS
6
PANCREAS
17
HEARTS
212
CORNEA

DONATE LIFE™
an initiative for organ donation

Which has given new lease of life & vision to 582 persons across the country & globe